RESEARCH COMMUNICATIONS
(An International Open Access, Peer Reviewed, Multidisciplinary Online Journal)
https://research-communications.cmpcollege.ac.in
ISSN: 2584-1270
Vol.: 1, Issue: 2, July-December 2023, pp.52-56

नवाचारों के युग में माध्यमिक शिक्षा

डॉ नन्हे सिंह

प्रधानाचार्य

बी०पी० शुक्ला इंटर कॉलेज, तिलोकपुर-बाराबंकी

मो० : 9140797489

सारांश

शिक्षा एक गतिशील प्रक्रिया है| जिसमें समयानुकूल आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रक्रिया की प्रभावशीलता बढ़ाने हेतु नवाचारों का समावेश निरंतर चलता रहता है| शिक्षा की इन आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु समय समय पर अनेक आयोगों, समितियों का गठन होता रहा है| जिनकी रिपोर्टों के आधार पर सरकार द्वारा अनेक राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों की घोषणा की गयी| इसी क्रम में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संस्तुतियां हमारे सामने हैं| इस नीति के तहत पूर्व प्राथमिक स्तर की शिक्षा से लेकर उच्च स्तर की तकनीकी व गैर तकनीकी शिक्षा में व्यापक बदलाव किये गये हैं| जिसमें कहा गया है कि "बचपन की देखभाल और शिक्षा पर जोर देते हुए स्कूल पाठ्यक्रम के 10+2 ढांचे की जगह 5+3+3+4 का नया पाठ्यक्रम संरचना लागू किया जायेगा जो क्रमशः 3-8, 8-11, 11-14 और 14-18 उम्र के बच्चों के लिए है| इसमें अब तक दूर रखे गये 3-6 साल के बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम तक लाने का प्रावधान है, जिसे विश्व स्तर पर बच्चे के मानसिक विकास के लिये महत्वपूर्ण चरण के रूप में मान्यता दी गयी है| नई शिक्षा प्रणाली में तीन साल की आंगनबाड़ी प्री स्कूलिंग के साथ बारह साल की स्कूली शिक्षा होगी|" आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाएं छात्रों की वार्षिक संकलनात्मक परीक्षाओं का लघु रूप हैं| यह अधिगम के स्थायी होने का मूल्यांकन करती हैं| अपेक्षाकृत एक बड़ी विषयवस्तु को परीक्षा हेतु कैसे तैयार किया जाए, यह इस हेतु मार्गदर्शन करती है| प्रस्तुत लेख नवाचारों के युग में माध्यमिक शिक्षा के स्तर को परिलक्षित करता है |

मुख्य शब्द: शिक्षा, माध्यमिक स्तर, नवाचार |

प्रस्तावना

माध्यमिक शिक्षा प्राथमिक शिक्षा व उच्च शिक्षा के मध्य की योजक कड़ी है| अतः माध्यमिक शिक्षा को विद्यार्थी की भविष्यगत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अधिक प्रभावी बनाने हेतु अनेक

परिवर्तन किये गये हैं| उत्तर प्रदेश की माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल की बोर्ड परीक्षाओं को ओ एम आर शीट पर कराने का निर्णय भी इनमें से एक है| चूँकि हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाएं पास करने के बाद छात्रों को विभिन्न संस्थाओं में प्रवेश हेतु व रोजगार हेतु अनेक स्थानों पर प्रतियोगी परीक्षाओं से गुजरना पड़ता है और उनमें से अधिकतर ओ एम आर शीट पर ही देनी होती हैं| अतः यह छात्रों को उन स्थितियों हेतु तैयारी का एक बेहतर अवसर भी है| शिक्षा सत्र 2021-22 से कक्षा 9 की परीक्षाओं में ओ एम आर का प्रादुर्भाव हुआ| बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम बार सत्र 2022-23 में ओ एम आर पत्रक पर परीक्षा कराई गई| परीक्षार्थीयों को उपलब्ध कराई गई ओ एम आर पत्रक पर 20 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने के व्यवस्था है| इस तरह अब प्रत्येक विषय में छात्रों के अंकों का विभाजन निम्नवत है|

आंतरिक मूल्यांकन	**वाह्य मूल्यांकन**	**योग**
30 अंक	70 अंक	100 अंक

आन्तरिक मूल्यांकन हेतु 30 अंक निर्धारित हैं| जिसे पूरे वर्ष में 5-5 अंक की दो आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाओं, 5-5 अंक के दो प्रोजेक्ट कार्य तथा शेष 10 अंक को चार मासिक परीक्षाओं के आधार पर देने की व्यवस्था है| इस प्रकार यह 30 अंक पूरे सत्र में आंतरिक व सतत मूल्यांकन के आधार पर छात्रों को मिलते हैं| वाह्य मूल्यांकन हेतु निर्धारित 70 अंकों में से 20 अंक एक-एक अंक के बीस बहुविकल्पीय प्रश्नों के माध्यम से तथा 50 अंक व्याख्यात्मक प्रश्नों के माध्यम से परीक्षार्थीयों को प्राप्त होंगे|

आन्तरिक मूल्यांकन

आन्तरिक मूल्यांकन की व्यवस्था छात्रों को पूरे वर्ष सतत रूप से सीखने के लिए प्रेरित करती है| मासिक परीक्षाएं शिक्षार्थियों के लिए रचनात्मक मूल्यांकन का कार्य करती हैं| छात्रों को पढाये गये अध्याय के मूल्यांकन द्वारा शिक्षकों को उनकी अधिगम रिक्तियों का ज्ञान होता है और साथ ही साथ शिक्षण प्रक्रिया की खामियों का भी पता चलता है| जिससे शिक्षकों को उन बिन्दुओं का शिक्षण पुनर्नियोजित ढंग से करने का अवसर मिलता है, जिस विषयवस्तु में छात्रों का अधिगम स्तर न्यून रह गया है| छात्र भी मूल्यांकन के द्वारा अपने अधिगम की कमियों से अवगत होते हैं और उसमें सुधार का प्रयास करते हैं| आंतरिक मूल्यांकन परीक्षाएं छात्रों की वार्षिक संकलनात्मक परीक्षाओं का लघु रूप हैं| यह अधिगम के स्थायी होने का मूल्यांकन करती हैं| अपेक्षाकृत एक बड़ी विषयवस्तु को परीक्षा हेतु कैसे तैयार किया जाए, यह इस हेतु मार्गदर्शन करती है| प्रोजेक्ट कार्य के माध्यम से छात्र

स्वगति व स्वप्रयास से सीखने का अवसर प्राप्त करते हैं| प्रोजेक्ट कार्य पूरा करने हेतु छात्र पुस्तकालय जाते हैं सम्बन्धित विषयवस्तु को खोजकर अध्ययन करते हैं| इन्टरनेट की सहायता लेकर ऑनलाइन विषय सामग्री खोजते हैं| शिक्षक से व्यक्तिगत रूप से मिलकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान करते हैं| इस प्रकार उन्हें सीखने के विभिन्न प्रकार के अवसर प्राप्त होते हैं| इस तरह मूल्यांकन का यह पक्ष सीखने व सिखाने की दृष्टि से शिक्षार्थी व शिक्षक दोनों को पूरे वर्ष अध्ययन-अध्यापन हेतु एक ब्लू प्रिंट उपलब्ध कराता है|

वाह्य मूल्यांकन

वाह्य मूल्यांकन दो भागों से मिलकर बना है| प्रथम ओ एम आर शीट का मूल्यांकन| ओ एम आर शीट पर छात्रों को परीक्षा प्रश्नपत्र में दिए गए 20 बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर देने होते हैं जो पूरे पाठ्यक्रम से लिए जाते हैं| 20 प्रश्नों का यह सेट पूरे पाठ्यक्रम को समान रूप से समाहित कर सकता है| इस भाग का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन होता है अर्थात इसमें व्यक्तिगत भेदभाव की आशंका बिल्कुल भी नहीं रहती है| वर्तमान समय में लगभग समस्त प्रतियोगी परीक्षाओं में वस्तुनिष्ठ बहुविकल्पीय प्रश्नों का प्रतिनिधित्व आंशिक या पूर्णरूपेण रहता है| अतः यह छात्रों को भविष्य की तैयारियों हेतु पूर्व अनुभव भी प्रदान करता है| द्वितीय भाग उत्तर पुस्तिका पर दिए गये लघु व दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का मूल्यांकन| इस भाग में छात्रों को उत्तर लिखकर देने होते हैं| छात्र उत्तरों की अपनी लेखन शैली के माध्यम से अपनी विचार अभिव्यक्ति क्षमता, क्रमबद्धता, गति, विचारों की स्पष्टता, लेखन कार्य की स्वच्छता आदि गुणों का प्रकटीकरण करते हैं| इस प्रकार से परीक्षा की सीमित अवधि में अधिगम के विभिन्न स्तरों को समेटे हुए ओ एम आर आधार परीक्षा पद्धति छात्रों हेतु अधिक उपयोगी प्रतीत होती है|

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कुछ विषयों में बोर्ड परीक्षा को दो भागों में तैयार करने का सुझाव दिया गया है| जिसमें एक भाग में बहुविकल्पीय प्रश्न व दूसरे भाग में वर्णात्मक प्रश्न होने की बात कही गई है| माध्यमिक शिक्षा परिषद ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उक्त सुझाव को ध्यान में रखते हुए ही ओ एम आर शीट को बोर्ड परीक्षा में शामिल करने का निर्णय लिया है| बोर्ड परीक्षा में एक विस्तृत विषयवस्तु के मूल्यांकन के बोझ को कम करने के लिए पूर्व के वर्षों में ही कक्षा 9 व 10 तथा कक्षा 11 व 12 की विषयवस्तु को अलग अलग कर दिया गया है| इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए सेमेस्टर / मॉड्यूलर बोर्ड परिक्षाओं की एक प्रणाली विकसित करने की अपेक्षा की गई है| मासिक टेस्ट परीक्षाएं तथा आंतरिक मूल्याङ्कन परीक्षाएं इस प्रणाली का एक हिस्सा हैं| नई शिक्षा नीति में प्रत्येक विषय के पाठ्यक्रम की विषयवस्तु को कम कर इसे बेहद बुनियादी चीजों पर केन्द्रित करने का विचार रखा गया है| शिक्षार्थी विषयवस्तु की मुख्य अवधारणाओं को भली भांति समझकर, उनका

अपने जीवन में अनुप्रयोग कर सकें तथा उनके अंदर समस्या समाधान की उचित योग्यता व क्षमता विकसित हो सके|

छात्रों की पूरे वर्ष विभिन्न क्रियाकलापों में व्यस्तता ने उन्हें समग्र व सतत रूप से सीखने हेतु परिस्थितियां प्रदान की है| हाईस्कूल व इंटर की परीक्षाओं में प्रश्नपत्रों की संख्या कम होने तथा अब हाईस्कूल की परीक्षाओं में ओ एम आर के शामिल होने से मूल्यांकन कार्य कम अवधि का हो गया है| जिससे परीक्षा परिणाम घोषित करने में कम समय लग रहा है| माध्यमिक शिक्षा में हो रहे क्रमिक सुधारों के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की आकांक्षाओं का मिश्रण भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु मील का पत्थर साबित होगा| शिवमंगल सिंह 'सुमन' की ये पंक्तियाँ माध्यमिक शिक्षा के नवाचारी प्रयासों को बहुत अच्छे तरह से व्यक्त करती हैं:-

गति प्रबल पैरों में भरी
फिर क्यों रहूँ दर दर खड़ा
जब आज मेरे सामने
है रास्ता इतना पड़ा
जब तक न मंजिल पा सकूँ,
तब तक मुझे न विराम है,
चलना हमारा काम है|

सारांश

विगत कुछ वर्षों में माध्यमिक शिक्षा में हुए परिवर्तनों ने न केवल शिक्षार्थियों के ऊपर विषयवस्तु के बोझ को कम कर दिया है| अपितु शिक्षकों को भी अपने विषय की अवधारणाओं को शिक्षण की विभिन्न विधाओं का प्रयोग कर अधिक विस्तृत ढंग से सिखाने का अवसर उपलब्ध करा दिया है|

सन्दर्भ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार पृष्ठ - 8/9

माध्यमिक शिक्षा परिषद उ० प्र० का सत्र 2022-23 का कक्षा-09/10 का पाठ्यक्रम (Retrieved from https://upmsp.edu.in/syllabus.html)

माध्यमिक शिक्षा परिषद उ० प्र० का सत्र 2023-24 का कक्षा-09/10/11/12 का पाठ्यक्रम (Retrieved from https://prereg.upmsp.edu.in/syllabus.html)

Block-3 अध्येता मूल्यांकन, पृष्ठ- 5/6 पाठ्यक्रम (Retrieved from https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/46025)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार पृष्ठ - 27/28

आंकलन एवं मूल्याङ्कन के तकनीक, पृष्ठ-13 पाठ्यक्रम (Retrieved from https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/46228/Unit-5.pdf)

https://hindionlinejankari.com/shivmangal-singh-suman-poems/